भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 53
उत्तर देने की तारीख: 14.09.2020

एनईपी (नई शिक्षा नीति)

53. श्री असादुद्दीन ओवैसीः

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार एक नई शिक्षा नीति लेकर आई है और यदि हां, तो उसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं;
(ख) नई शिक्षा नीति का उद्देश्य किस हद तक केवल शैक्षणिक की बजाय नौकरी उन्मुख होना है;
(ग) स्नातक पाठयक्रमों के लिए शिक्षा के नए सूत्र क्या हैं;
(घ) प्राथमिक कक्षाओं के लिए निर्धरित भाषा सूत्र क्या है; और
(ङ) क्या सभी राज्यों ने नई शिक्षा नीति अपनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क): शिक्षा मंत्रालय ने 29.07.2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) की घोषणा की है और यह शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट https://www.mhrd.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf. पर उपलब्ध है।

(ख): एनईपी 2020 में कहा गया है कि स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा शामिल होगी। नीति में यह परिकल्पना की गई है कि अगले दशक में चरणबद्ध तरीके से सभी माध्यमिक स्कूलों के शैक्षिक विषयों में व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत किया जाएगा। इसके लिए, माध्यमिक विद्यालयों को आईटीआई, पॉलिटेक्निक, स्थानीय उद्योग, आदि के साथ भी जोड़ा जाएगा। सभी छात्र ग्रेड 6-8 के दौरान 10 दिन के बैगलेस अवधि में भाग लेंगे, जहां वे स्थानीय व्यावसायिक विशेषज्ञों के साथ प्रशिक्षु के रुप में कार्य करेंगे। व्यावसायिक विषयों को सीखने के लिए इसी तरह के इंटर्नशिप अवसर ग्रेड 6-12 तक के छात्रों को उपलब्ध कराए जा सकते हैं, जिसमें अवकाश अवधि भी शामिल है। समग्र शिक्षा के हिस्से के रूप में, सभी एचईआई में छात्रों को स्थानीय उद्योग, व्यवसाय, कलाकार, शिल्पकार, आदि के साथ इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, साथ ही वे स्वयं या अन्य एचईआई / अनुसंधान संस्थानों में

संकाय और शोधकर्ताओं के साथ अनुसंधान इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे छात्रों को अपने अधिगम के व्यावहारिक पक्ष के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने का अवसर मिल सके और, उप-उत्पाद के रूप में, उनकी रोजगार क्षमता में और सुधार हो सके।

(**ग**) : एनईपी 2020 के अनुसार, अवर स्नातक की डिग्री या तो 3 या 4 साल की अवधि की होगी, साथ ही इस अवधि के भीतर कई निकास विकल्प होंगे, जिसके लिए उपयुक्त प्रमाणपत्र- व्यावसायिक या पेशेवर क्षेत्रों सहित किसी अनुशासन या क्षेत्र में 1 वर्ष पूरा करने के बाद एक प्रमाण पत्र, अथवा 2 वर्ष के अध्ययन के बाद डिप्लोमा, या 3 वर्षीय कार्यक्रम के बाद स्नातक की डिग्री। 4-वर्षीय बहु-विषयक स्नातक कार्यक्रम पसंदीदा विकल्प होगा क्योंकि यह छात्र की पसंद के अनुसार चुने हुए प्रमुख और लघु पर ध्यान केंद्रित करने के अतिरिक्त समग्र और बहु-विषयक शिक्षा की पूरी श्रृंखला का अनुभव करने का अवसर देता है। एक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) स्थापित किया जाएगा जो विभिन्न मान्यता प्राप्त एचईआई से अर्जित अकादमिक क्रेडिट को डिजिटल रूप से संग्रहीत करेगा ताकि अर्जित क्रेडिट को ध्यान में रखते हुए एचईआई से प्राप्त डिग्री प्रदान की जा सके। 4-वर्षीय कार्यक्रम से भी 'अनुसंधान सहित' डिग्री प्राप्त हो सकता है, यदि छात्र एचईआई द्वारा यथा निर्दिष्ट अध्ययन के अपने प्रमुख क्षेत्र (क्षेत्रों) में गहन अनुसंधान परियोजना पूरा करता है।

(**घ**) : एनईपी 2020 के अनुसार, कम से कम ग्रेड 5 तक शिक्षा का माध्यम, लेकिन अधिमानतः ग्रेड 8 और उससे आगे तक, घर की भाषा / मातृभाषा / स्थानीय भाषा / क्षेत्रीय भाषा होगी।

(**ङ**) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, नीति के कार्यान्वयन के लिए कई पहल और कार्यों की आवश्यकता होती है, जिन्हें कई निकायों को एक समन्वित और व्यवस्थित तरीके से लेना होगा। तदनुसार, इस मंत्रालय ने सभी राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को व्यवहारिक रुप में एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए सूचित किया है। शिक्षा मंत्रालय **8** सितंबर से 25 सितंबर, 2020 तक 'शिक्षक पर्व' का आयोजन भी कर रहा है, ताकि विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया जा सके और एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के संबंध में सुझाव देने के उद्देश्य से विचार-विमर्श किया जा सके। मंत्रालय ने "उच्चतर शिक्षा परिदृश्य बदलने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका" विषय पर राज्यपालों का एक सम्मेलन भी आयोजित किया है। सम्मेलन में, राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के राज्यपाल और लेफ्टिनेंट गवर्नर, राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के शिक्षा मंत्री, राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति और अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया और कहा कि राज्य / संघ राज्य क्षेत्रों के सरकार ने एनईपी 2020 को लागू करने के लिए पहल करना शुरू कर दिया है। एनईपी 2020 का व्यापक प्रचार किया गया है और इस पर हितधारकों से सकारात्मक और व्यापक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है ।

****